SHRI ASHK ALI TAK (Rajasthan): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Husain Dalwai.

श्री तरुण विजय (उत्तराखंड): सर, जो * का महिमा मंडन कर रहे हैं ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You associate; that is enough. *...(Interruptions)...* Now, Shri Ahmed Patel.

श्री तरुण विजय: सर, हमारे वंदनीय महात्मा गांधी हैं ...**(व्यवधान)**... * नहीं हो सकते हैं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Silence, please. *...(Interruptions)...* Please listen. *...(Interruptions)...* Now, Shri Ahmed Patel.

Scarcity of urea in the country

श्री अहमद पटेल (गुजरात) : उपसभापति महोदय, मैं सदन का ध्यान आपके माध्यम से यूरिया की कमी से किसान को हो रही परेशानी की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। महोदय, किसान वैसे भी बहुत परेशान है क्योंकि न तो उसे बिजली मिल रही है, न पानी मिल रहा है। वह Land Acquisition की वजह से भी परेशान है। उससे स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट के ऊपर या कुछ दूसरी रिपोर्ट के ऊपर वायदे किए गए थे, लेकिन वे पूरे नहीं हुए।

अब हाल में जो यूरिया की कमी है, उसकी वजह से किसान बहुत परेशान है। महोदय, कल जो रेलवे बजट पेश हुआ, उसमें भी उनके जख्मों पर नमक छिड़कने की ही कोशिश की गयी है। उसमें 10 परसेंट फ्रेट चार्ज बढ़ाए गए हैं। इन सब कारणों से पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र और गुजरात में एजीटेशंस हो रहे हैं। हरियाणा में तो परिस्थिति यहां तक पहुंच गयी है कि वहां पुलिस स्टेशंस के जरिए यूरिया डिस्ट्रीब्यूट किया जा रहा है। यूरिया की ब्लैक मार्केटिंग हो रही है जिसमें उन्हें 50 परसेंट से 300 परसेंट तक ज्यादा दाम देने पड़ रहे हैं। महोदय, यह सरकार की असफलता है कि उसे जो समय पर कदम उठाने चाहिए थे, जिस तरह से सही वक्त पर जून से अक्टूबर के बीच में 44 लाख टन यूरिया का इम्पोर्ट करना चाहिए था, वह नहीं हो पाया है। उसकी वजह से यह परिस्थिति निर्मित हुई है। आज इनकी पॉलिसी पूरी तरह से पैरालाइज हो गयी है। प्रधान मंत्री जी सोइल हैल्थ कार्ड की बात करते हैं। जब खाद ही नहीं मिलेगी, तो सोइल की हैल्थ क्या होगी और हैल्थ ही नहीं होगी तो कार्ड कहां रहेगा? आज इस तरह की परिस्थिति निर्मित हो गयी है, जिस के लिए सरकार को कुछ करना चाहिए। महोदय, आज हमारी फर्टिलाइजर की खपत 300 लाख टन है और हम 225 लाख टन फर्टिलाइजर प्रोड्यूस कर रहे हैं। तो यह कमी कहां से पूरी की जाएगी क्योंकि आपने सही वक्त पर इसे इम्पोर्ट नहीं किया है? इस तरह से इस बारे में गवर्नमेंट की पॉलिसी पूरी तरह से पैरालाइज्ड है। मेरे ख्याल से सरकार को किसान को सही वक्त पर फर्टिलाइजर उपलब्ध कराने के बारे में गंभीरतापूर्वक चिंता करनी चाहिए ताकि वे अपनी खेती कर सकें और परेशान न हों।

महोदय, मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि वह हस्तक्षेप करे ताकि उन्हें समय पर यूरिया मिले और उनकी कठिनाई दूर करने के बारे में सरकार को प्रयास करना चाहिए।

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री अश्क अली टाक (राजस्थान) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के जीरो ऑवर मेंशन से अपने को सम्बद्ध करता हूं।

श्री हुसैन दलवई (महाराष्ट्र) : महोदय, मैं भी अपने को सम्बद्ध करता हूं।

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं भी श्री अहमद पटेल के मेंशन से अपने को सम्बद्ध करता हूं।

श्री अरविन्द कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं भी अपने को सम्बद्ध करता हूं।

श्री राजपाल सिंह सैनी (उत्तर प्रदेश) : सर, मैं भी माननीय सदस्य के मेंशन से सम्बद्ध करता हूं।

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार) : सर, मैं भी स्वयं को इस प्रस्ताव से सम्बद्ध करता हूं।

डा. संजय सिंह (असम) : सर, मैं भी स्वयं को इस प्रस्ताव से सम्बद्ध करता हूं।

श्री पी.एल. पुनिया (उत्तर प्रदेश) : मैं श्री अहमद पटेल के प्रस्ताव से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री महेन्द्र सिंह माहरा (उत्तराखंड) : सर, मैं भी माननीय सदस्य के मेंशन से सम्बद्ध करता हूं।

श्री पंकज बोरा (असम) : सर, मैं भी स्वयं को इस प्रस्ताव से सम्बद्ध करता हूं।

श्री सन्तियुस कुजूर (असम) : सर, मैं भी स्वयं को इस प्रस्ताव से सम्बद्ध करता हूं।

श्री मोती लाल वोरा (छत्तीसगढ़) : सर, मैं भी माननीय सदस्य के प्रस्ताव से स्वयं को जोड़ता हूं।

DR. M.S. GILL (Punjab): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI C.P. NARAYANAN (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Names of the Members associating may be added. ...*(Interruptions)*... Now, Kumari Selja to associate with this matter.

कुमारी शैलजा (हरियाणा) : सर, आज देश का किसान बहुत ज्यादा मुश्किल परिस्थिति से गुजर रहा है। सरकार की किसान विरोधी नीति के तहत आज न तो किसान को अपनी उपज का उचित समर्थन मूल्य ही मिल रहा है, दूसरी ओर Land Acquisition Bill की तलवार भी उसके ऊपर

[कुमारी शैलजा]

लटकी हुई है और तीसरा सब से गंभीर मुद्दा यूरिया की कमी का है। सर, यह सरकार दावा बहुत करती है कि यूरिया की कमी नहीं है, लेकिन हम राज्यों में जाकर देखते हैं कि आज किसानों की स्थिति बहुत दयनीय हो गयी है। उसी कारण किसान कभी सड़कों पर उतर आता है, कभी रेलवे लाइनों पर उतर आता है। सर, मेरे अपने राज्य हरियाणा में इतनी ज्यादा मुश्किल हो गयी है कि कभी तो दंगे जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। सर, क्या कभी ऐसा देखा गया है कि पुलिस थानों के अंदर महिलाओं को यूरिया के लिए कूपन दिया जाता हो? सर, आज बिचौलियों के वारे-न्यारे हो रहे हैं। सरकार दावा करती है कि कमी नहीं है, लेकिन कमी है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जून से अक्टूबर, 2014-2015 में केवल 17.37 लाख टन यूरिया का आयात हुआ जबकि 2013-14 में 42.82 लाख टन यूरिया आयात हुआ। तो कमी क्यों हुई? सर, इनके दावे खोखले हैं। सर, अभी यहां पर मंत्री जी उपस्थित नहीं हैं, लेकिन किसानों की समस्या को सरकार को गंभीरतापूर्वक देखना होगा। सर, मेरे राज्य में तो यूरिया की तस्करी चल रही है। वहां के मुख्य मंत्री और दूसरे मंत्री अलग बात कहते हैं, लेकिन असल में यूरिया की तस्करी चल रही है। यूरिया हरियाणा से दूसरे राज्यों में जा रहा है क्योंकि वहां पर वैट नहीं है।

सर, यह भारत सरकार की और हरियाणा सरकार की गलत नीतियां हैं, जिस के कारण किसान के लिए इतनी ज्यादा मुश्किल परिस्थिति पैदा हो गयी है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shri Prabhat Jha. ...*(Interruptions)*... Mr. Prabhat Jha.

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश) : सर, मुझे एसोसिएट करते हुए एक बात कहनी है ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. That is over. ...*(Interruptions)*... Only names of Members associating are to be recorded. ...*(Interruptions)*... It won't go on record.

Violation by Drug Manufacturing companies by using plastic bottles

श्री प्रभात झा (मध्य प्रदेश): उपसभापति महोदय, मैं केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री और स्वास्थ्य मंत्रालय का ध्यान शून्य काल में उठाये गये इस विषय पर लाना चाहता हूँ।

सर, हमने सुना था कि दवाई से लोगों की रक्षा होती है, लेकिन कुछ दवाइयाँ प्लास्टिक की बोतलों में बाँटी जा रही हैं। उसके कारण तमाम सारे रोग हो रहे हैं। स्वास्थ्य संबंधी मामलों पर प्रमुख सलाहकार निकाय The Drug Technical Advisory Body (DTAB) ने सुझाव दिया था कि सरकार को तत्काल प्राथमिक श्रेणी की ऐसी बोतलों के इस्तेमाल पर पाबंदी लगानी चाहिए, जो प्लास्टिक की हों। गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों को इससे बहुत बड़ा नुकसान होता है। प्लास्टिक या polyethylene terephthalate, जिसे pet कहते हैं, ऐसी बोतलों के इस्तेमाल पर रोक लगाने की बात कही गयी है। हम जानते हैं कि बच्चे कफ सिरप तथा अन्यान्य जितनी भी intravenous fluids होते हैं, ये सारी चीज़ें टेबलेट के रूप में नहीं ले पाते हैं, इसलिए इन्हें उनको सिरप के रूप में दिया जाता है, लेकिन ये प्लास्टिक की बोतलों में आते हैं।